समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

वास्तु शास्त्र: जीवन मे संुख-शांति और समृद्धि लाने वाला प्राचीन विज्ञान।

Publisher

Published on 07 Jul 2025

वास्तु शास्त्र के माध्यम से कैसे बनाएं घर या ऑफिस मे संकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह, जानिए प्राचीन सिद्धांत और आज के आधुनिक उपाय।

पवन केशन, वास्तु,
कंसलटेटं एंड
नुमेरोलॉजिस्ट, गुवहाटी

Success Story: वास्तु शास्त्र, भारत का हजारों वर्ष पुराना **वास्तुकला** और **जीवनशैली** का विज्ञान है, जो **मानव जीवन** और **प्राकृतिक ऊर्जा** के बीच संतुलन स्थापित करने पर बल देता है। यह विज्ञान वेदों पर आधारित है और आज भी **घर, दफ्तर, मंदिर** और अन्य इमारतों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

'**वास्तु**' का अर्थ है स्थान या **भवन, और** '**शास्त्र**' का अर्थ है ज्ञान या विज्ञान। दोनों मिलकर जीवन में **स्वास्थ्य, धन** और **मानसिक शांति** लाने के सिद्धांत बताते हैं।

वास्तु शास्त्र के प्रमुख सिद्धांत

वास्तु शास्त्र पांच तत्वों (पंचमहाभूत) – **पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश** – के संतुलन पर आधारित है। इसके कुछ महत्वपूर्ण सिद्धांत हैं:

१. **दिशाओं का महत्व :**

२. **उत्तर (कुबेर की दिशा) – धन और समृद्धि का प्रतीक**।

३. **पूर्व (सूर्य की दिशा) – स्वास्थ्य और ऊर्जा का स्त्रोत**।
४. **उत्तर-पूर्व (ईशान कोण) – आध्यात्मिकता के लिए सर्वोत्तम**।

ऊर्जा प्रवाह (प्राण):
घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बाधित न हो इसके लिए उचित लेआउट जरूरी है।

वास्तु पुरुष मंडल :
इमारत को विभिन्न कार्य क्षेत्रों में बांटकर उनकी सही दिशा में स्थापना की जाती है।

सटीक माप और अनुपात :
वास्तु के अनुसार आयामों का सही निर्धारण इमारत में स्थिरता और ऊर्जा संतुलन लाता है।

घर के लिए वास्तु के सरल उपाय
१. **मुख्य द्वार :** पूर्व या उत्तर दिशा की ओर होना शुभ माना जाता है।
२. **रसोईघर :** आग्नि तत्व के अनुसार दक्षिण-पूर्व दिशा में बनाएं।
३. **शयनकक्ष:** दक्षिण-पश्चिम दिशा में मास्टर बेडरूम रखें।
४. **पूजा कक्ष:** उत्तर-पूर्व दिशा में बनाना सर्वोत्तम रहता है।
५. **बाथरूम/शौचालय :** उत्तर-पश्चिम या दक्षिण-पूर्व दिशा में बनाएं, इन्हें पूजा स्थान से दूर रखें।

आधुनिक जीवन मे वांस्तु का महत्व
आज के दौर में भी **वास्तु शास्त्र** के सिद्धांतों का पालन करके जीवन में सकारात्मकता लाई जा सकती है। कई बड़े **कॉर्पोरेट ऑफिस, होटल, रेसिडेंशियल प्रोजेक्ट्स** आदि **वास्तु के अनुसार डिज़ाइन** किए जाते हैं ताकि

कार्यक्षमता बढ़े,
१. **मानसिक शांति बनी रहे,**
२. **और आर्थिक प्रगति हो**।
३. **आर्किटेक्ट्स और इंटीरियर डिज़ाइनर्स भी अब वास्तु सम्मत निर्माण को प्राथमिकता देते है**।

वास्तु शास्त्र केवल एक अंधविश्वास नहीं बल्कि **ऊर्जा** और **विज्ञान** का संतुलन है। यदि घर या दफ्तर का निर्माण इन सिद्धांतों के अनुसार किया जाए, तो जीवन में **सुख, शांति** और **समृद्धि** स्वतः ही आने लगती है। चाहे नया घर बना रहे हों या पुराने का नवीनीकरण कर रहे हों, वास्तु के अनुसार प्लानिंग करने से सकारात्मक बदलाव महसूस होंगे।

क्या आप अपने घर या ऑफिस के लिए विशेष वास्तु उपाय जानना चाहते हैं ? अपनी जरूरत हमें कमेंट में बताएं।

ऐसी ही देश और दुनिया की बड़ी खबरों के लिए फॉलो करें: www.samacharwani.com

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.